अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

One India, One Emergency Number 112

रजि.न.34300/80 | संख्या 13 | श्री विजय पुरम, मंगलवार, 13 जनवरी 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह : हिंद महासागर क्षेत्र और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भारत का रणनीतिक आधार

भारत की एकमात्र परिचालनशील ट्राई–सेवा कमान, अण्डमान तथा निकोबार कमान, बंगाल की खाड़ी और आसपास के समुद्रों के महत्वपूर्ण जलमार्गों की निगरानी के लिए विशेष रूप से स्थित है। इस द्वीपसमूह में, कार निकोबार और ग्रेट निकोबार के अड्डे बेहद महत्व रखते हैं।

हिंद–प्रशांत क्षेत्र 21वीं सदी का निर्णायक रणनीतिक क्षेत्र बनकर उभरा है। अफ्रीका के पूर्वी तट से लेकर प्रशांत द्वीपों तक फैला यह विशाल क्षेत्र विश्व की सबसे गतिशील अर्थव्यवस्थाओं, महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों और तीव्र भू–राजनीतिक प्रतिस्पर्धाओं का केंद्र है। भारत की भौगोलिक स्थिति अवसर और जिम्मेदारी दोनों प्रदान करती है। 11,000 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर स्थित द्वीपीय क्षेत्रों के साथ, भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है। कच्चे तेल, कोयला, इलेक्ट्रॉनिक्स और कृषि उत्पादों सहित भारत के लगभग 95 प्रतिशत व्यापार का संचलन समुद्र के मार्ग से होता है और यह इन्हीं जलमार्गों से होकर गुजरता है।

व्यापक वैश्विक संदर्भ से खतरा और भी बढ़ जाता है। वैश्विक शक्ति संतुलन पूर्व की ओर खिसक रहा है और हिंद महासागर और प्रशांत महासागर का विस्तृत क्षेत्र पहले से ही वैश्विक जीडीपी का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा है। दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से तीन एशिया में हैं और उनकी वृद्धि ने ऊर्जा की असीमित मांग पैदा कर दी है। आत्मनिर्भरता की कमी के कारण, ये अर्थव्यवस्थाएं रूस, पश्चिम एशिया और अफ्रीका से आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं और हिंद महासागर के समुद्री मार्ग इस माल का अधिकांश परिवहन करते हैं। मात्रा के हिसाब से विश्व व्यापार का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा समुद्र के रास्ते होता है, जिसमें से अधिकांश इन परस्पर जुड़े समुद्री मार्गों से होकर गुजरता है। साथ ही, आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा, 95 प्रतिशत से अधिक अंतरराष्ट्रीय डेटा यातायात, इस विशाल क्षेत्र में बिछी समुद्री केबलों के माध्यम से होता है। ऊर्जा मार्गों या डिजिटल नेटवर्क जैसी इन धमनियों में किसी भी प्रकार की रुकावट वैश्विक सुरक्षा और समृद्धि को खतरे में डाल देगी।

भारत का स्वतंत्र, खुला और समावेशी हिंद–प्रशांत क्षेत्र का दृष्टिकोण, जहाँ संप्रभुता का सम्मान हो और किसी भी प्रकार के दबाव का कोई स्थान न हो, साझेदार देशों और छोटे राष्ट्रों दोनों द्वारा सराहा गया है। 2014 में भारत–प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (एफआईपीआईसी) की स्थापना जैसी पहलों ने प्रशांत द्वीपीय देशों के साथ भारत की सहभागिता को और गहरा किया है। भारत ने आसियान देशों के साथ मजबूत रणनीतिक संबंध स्थापित किए हैं, क्वाड में समान विचारधारा वाले देशों के साथ हाथ मिलाया है और एशिया के समुद्री क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। यह बात अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सबसे अधिक स्पष्ट है, जो भारत की पूर्वी तट रणनीति का केंद्र बिंदु है।

भारत की एकमात्र सक्रिय ट्राई–सेवा कमान, अण्डमान तथा निकोबार कमान, बंगाल की खाड़ी और आसपास के समुद्रों के महत्वपूर्ण जलमार्गों की निगरानी के लिए मुख्य रूप से स्थित है। इस द्वीपसमूह में, कार निकोबार और ग्रेट निकोबार के अड्डे बेहद महत्व रखते हैं। कार निकोबार में भारतीय वायु सेना की एक सुविधा है जो बंगाल की खाड़ी पर हवाई वर्चस्व और जहाजरानी गतिविधियों की निरंतर निगरानी प्रदान करती है। यह अड्डा मलाबार जैसे संयुक्त

शेष पृष्ठ 4 पर

लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संदेश

नई दिल्ली, 12 जनवरी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू (जो क्रमशः 13 और 14 जनवरी को पड़ते हैं) की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा, "लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू त्योहारों के शुभ अवसर पर, मैं भारत और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। यह त्योहार हमारी समृद्ध कृषि परंपराओं और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। ये हमारी जीवंत और विविध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब हैं। यह त्योहार हमारे किसानों की कड़ी मेहनत को सलाम करने का अवसर हैं जो देश को भोजन खिलाने के लिए अथक प्रयास करते हैं। देश भर में मनाए जाने वाले इन त्योहारों के माध्यम से, हम प्रकृति माँ के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

दक्षिण अण्डमान जिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 का सफल आयोजन

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

दक्षिण अण्डमान जिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप का 10 एवं 11 जनवरी, 2026 को जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के खेल मैदान में भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में जूनियर एवं वरिष्ठ एथलीटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरे परिसर में खेल भावना से ओत–प्रोत वातावरण बना रहा।

समापन समारोह में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने चैंपियनशिप के सफल आयोजन हेतु आयोजकों के प्रयासों की सराहना की तथा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन बनाए रखने, निरंतर परिश्रम करने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर द्वीपसमूह का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

चैंपियनशिप के दौरान सब–जूनियर (अंडर–14), जूनियर (अंडर–16, अंडर–18, अंडर–20) एवं ओपन वर्गों में ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। दक्षिण अण्डमान क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से 11 से 50 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 80 एथलीटों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतिभागियों ने अनुशासन, दृढ़ संकल्प एवं खेल भावना का सराहनीय प्रदर्शन किया।

अण्डमान तथा निकोबार स्टेट ओलंपिक एसोसिएशन (एएनएसओए) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतियोगिता का समापन पदक वितरण एवं प्रोत्साहन संदेशों के साथ हुआ, जिससे दक्षिण अण्डमान जिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 का सफल समापन हुआ।

स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में आज स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती पूरे उत्साह, श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) परिसर में स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के निकट आयोजित किया गया, जिससे समारोह का वातावरण अत्यंत गरिमामय और प्रेरणादायक बन गया।

इस अवसर पर आयुक्त–सह–सचिव श्रीमती चंचल यादव (आईएएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। शिक्षा एवं खेल निदेशक श्री विक्रम सिंह, रामकृष्ण मिशन, श्री विजय पुरम के सचिव स्वामी ओंकारात्मानंद, रामकृष्ण मिशन के अन्य स्वामीजी, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र–छात्राएं तथा बड़ी संख्या में आम जनता भी कार्यक्रम में उपस्थित रही। मुख्य अतिथि द्वारा स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई, जिसके पश्चात उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सभा को संबोधित करते हुए श्रीमती चंचल यादव ने स्वामी विवेकानंद के कालजयी सिद्धांतों एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डाला और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद को देश के युवाओं की शक्ति, ऊर्जा और क्षमता पर अटूट विश्वास था। उनका दृढ़ विश्वास था कि युवा ही भारत को प्रगति और समृद्धि की ओर ले जाएंगे। उनका अमर संदेश–"उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए"–हमें अपनी आंतरिक शक्ति को जागृत करने और राष्ट्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि देश का

शेष पृष्ठ 4 पर

राष्ट्रीय लोकनृत्य प्रतियोगिता में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को द्वितीय स्थान

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

एनसीईआरटी के शिक्षा विभाग (सामाजिक विज्ञान) के अंतर्गत राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एनपीईपी) द्वारा 6 से 9 जनवरी तक लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), शक्ति नगर, मेला रोड, ग्वालियर में राष्ट्रीय भूमिका–अभिनय एवं लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय विजेता टीमों ने भाग लिया, जिसमें अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने "लैंगिक समानता" विषय पर आधारित प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की लोकनृत्य प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की लगन, टीमवर्क तथा सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और द्वीपसमूह के लिए गौरव का विषय है।

लोकनृत्य प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी श्री शना, सैना हालदार, अंशु पांडेय, पी. विनिता, ईशा मंडल एवं स्नेहा शास्त्री, राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अबर्डीन के विद्यार्थी थे। इन विद्यार्थियों को श्रीमती वी. राधिका, शिल्प अनुदेशक (नृत्य) द्वारा प्रशिक्षित एवं कोरियोग्राफ किया गया, जिन्हें सुश्री श्रीदेवी एम., प्रयोगशाला सहायक का सहयोग प्राप्त हुआ। शिक्षा सदन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एनपीईपी परियोजना के अंतर्गत आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का समन्वय उप निदेशक शिक्षा (विज्ञान) कार्यालय के कर्मचारी श्री तरपन सरकार द्वारा किया गया।

'आइलैंड सी फूड फेस्टिवल–2026', पारंपरिक नौका दौड़ भी शामिल

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

मत्स्य पालन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा सूचना, प्रचार एवं पर्यटन विभाग के सहयोग से 15 एवं 16 जनवरी, 2026 को मरीना पार्क स्ट्रेच रोड, श्री विजय पुरम में "आइलैंड सी फूड फेस्टिवल–2026" का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी), हैदराबाद के वित्तीय सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

सी फूड फेस्टिवल–2026 के अंतर्गत 15 जनवरी को सुबह 9.30 बजे जंगलीघाट स्थित फिश लैंडिंग सेंटर पर पारंपरिक नौका दौड़ का भी आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में केवल पंजीकृत, लाइसेंस प्राप्त एवं फिशर आईडी कार्ड धारक गैर–मोटर चालित मछली पकड़ने वाली नावें (हैलिस डिंगी) ही भाग ले सकेंगी। प्रत्येक नाव में अधिकतम दो चालक होंगे तथा सभी प्रतिभागियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य होगा।

दक्षिण अण्डमान जिले के इच्छुक गैर–मोटर चालित मछली पकड़ने वाली नावों के मालिक अपनी भागीदारी की इच्छा क्षेत्रीय मत्स्य कार्यालय, दक्षिण अण्डमान में नाव का विवरण, चालक दल के नाम एवं प्रतिभागियों के फिशर आईडी कार्ड की प्रतियों सहित दर्ज करा सकते हैं।

मत्स्य पालन विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पारंपरिक नौका दौड़ में भाग लेने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 14 जनवरी निर्धारित की गई है।

'डीब्राइट' में राष्ट्रीय युवा दिवस पर विधि सेवा एवं युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जिला विधि सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर (जेएसी) के सहयोग से आज 'डीब्राइट' में विधि सेवा एवं युवा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विधि जागरूकता से सशक्त बनाना तथा स्वामी विवेकानंद की कालजयी शिक्षाओं से प्रेरित करना था।

इस कार्यक्रम में श्री नेयाज़ आलम, माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पोर्ट ब्लेयर, श्री सम्राट रॉय, माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट–सह–सचिव, डीएलएसए तथा श्री अनुपम सरकार, माननीय प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (अतिरिक्त न्यायालय), पोर्ट ब्लेयर उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त प्रयास जेएसी की क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री मारिया शीला तथा जेएसी के सलाहकार श्री के. विजय कुमार भी कार्यक्रम में शामिल हुए। 'डीब्राइट' के छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने बड़ी संख्या में सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान श्री नेयाज़ आलम ने छात्रों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम (पोश) 2013, बच्चों का लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) 2012 तथा नारकोटिक ड्रग्स एवं साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस अधिनियम (एनडीपीएस) जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कानूनों के बारे में जागरूक किया तथा युवाओं एवं समाज की सुरक्षा में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

श्री सम्राट रॉय ने "वी आर चिल्ड्रन ऑफ एटर्निटी" विषय पर प्रेरक संबोधन देते हुए स्वामी विवेकानंद के जीवन, दर्शन एवं दृष्टि पर विस्तार से चर्चा की और विद्यार्थियों से आत्मविश्वास, चरित्र,

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह : हिंद महासागर क्षेत्र ———पृष्ठ 1 का शेष

अभ्यासों में भी सहयोग करता है, जिससे अंतर–संचालनीयता बढ़ती है और भारत की एक्ट ईस्ट नीति को मजबूती मिलती है। मलाका जलडमरूमध्य से मात्र एक हजार किलोमीटर की दूरी पर स्थित होने के कारण इसका रणनीतिक महत्व और भी बढ़ जाता है।

इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है ग्रेट निकोबार के कैम्पबेल बे में स्थित भारत का सबसे दक्षिणी नौसैनिक हवाई अड्डा, आईएनएस बाज़। उन्नत और व्यापक विकास योजनाओं में एकीकृत, यह मलाका खाड़ी से मात्र 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहाँ से चीन के लगभग 60 प्रतिशत व्यापार और जापान, दक्षिण कोरिया तथा कुछ आसियान देशों के लगभग 90 प्रतिशत तेल आयात का संचालन होता है। भारत के लिए, यह ऊर्जा और वाणिज्य के लिए एक अपरिहार्य मार्ग है। इस खाड़ी की निगरानी, सुरक्षा और आवश्यकता पड़ने पर इसके आवागमन को प्रभावित करने की क्षमता से भारत को अपार रणनीतिक लाभ प्राप्त होता है। आईएनएस बाज़ समुद्री टोही, पनडुब्बी रोधी युद्ध और निगरानी अभियानों में सहयोग करता है, और मोदी सरकार की 72,000 करोड़ रुपये की ग्रेट निकोबार परियोजना के तहत इसका विस्तार किया जा रहा है, जिसमें एक ट्रांस–शिपमेंट पोर्ट और एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की भी परिकल्पना की गई है। सुरक्षा और आर्थिक अवसंरचना का यह एकीकरण भारत की रसद क्षमता और रणनीतिक स्थिति दोनों को मजबूत करता है।

मलाका खाड़ी के मार्गों पर नियंत्रण और प्रभाव भारत की अपनी समुद्री संचार लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और इसकी बढ़ती डिजिटल और ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। कार निकोबार और आईएनएस बाज़ के अग्रिम चौकियों के रूप में कार्य करने से भारत पनडुब्बियों की गतिविधियों पर नज़र रखने, शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों को रोकने और साझेदारों के साथ मिलकर एक स्वतंत्र और खुले समुद्री क्षेत्र को सुनिश्चित करने की क्षमता रखता है। भारत के व्यापक 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' (सागर) सिद्धांत के साथ एकीकृत होने पर, ये क्षमताएं हिंद महासागर क्षेत्र में एक विश्वसनीय हितधारक और स्थिरता प्रदाता के रूप में भारत की भूमिका को सुदृढ़ करती हैं।

बुनियादी ढांचे और क्षमताओं का यह विस्तार प्रधानमंत्री श्री मोदी के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता पर व्यापक जोर का प्रतीक है। सुरक्षा को अब केवल एक संकीर्ण सैन्य कार्य के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय परियोजना के रूप में देखा जाता है जिसमें बुनियादी ढांचा, उद्योग, प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन शामिल हैं। इसलिए निकोबार के सैन्य अड्डे अलग–थलग सैन्य प्रतिष्ठान नहीं हैं, वे एक समग्र प्रयास का हिस्सा हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत के पास हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक हिंद–प्रशांत क्षेत्र में होने वाले घटनाक्रमों पर केवल प्रतिक्रिया देने के बजाय उन्हें आकार देने के साधन हों। प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय नीतियां, एफआईपीआईसी के शुभारंभ से लेकर कार निकोबार और ग्रेट निकोबार में सुविधाओं को मजबूत करने तक, खुलेपन, सुरक्षा, विकास और नौवहन की स्वतंत्रता के पक्ष में क्षेत्रीय संतुलन को आकार देने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाती हैं।

हाल ही में द्वीपसमूह के अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर अपराध और रणनीतिक अवसंरचना पर केंद्रित एक उच्च स्तरीय संसदीय परामर्श समिति की बैठक की अध्यक्षता करके भारत की सुरक्षा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। उभरते खतरों का मुकाबला करने और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक समन्वित, बहु–क्षेत्रीय रणनीति पर जोर देते हुए, इस दौरे ने संकेत दिया कि पूर्वी समुद्री मार्गों में भारत की सुरक्षा संबंधी सोच में कठोर रक्षा और शासन प्रणाली दोनों शामिल हैं।

कार निकोबार और ग्रेट निकोबार में भारत का निवेश, जिसमें सैन्य अवसंरचना, रसद केंद्र और कनेक्टिविटी परियोजनाएं शामिल हैं, अंततः आधुनिक जीवन को बनाए रखने वाली ऊर्जा, वाणिज्य और डेटा की धमनियों को सुरक्षित करने के बारे में है। ये पहलें सुनिश्चित करती हैं कि भारत अब एक हाशिए का खिलाड़ी नहीं बल्कि एक केंद्रीय कर्ता है, जिसमें सुरक्षा की गारंटी देने, शक्ति का प्रदर्शन करने और एक स्वतंत्र एवं खुले व्यापक समुद्री क्षेत्र के सिद्धांत को कायम रखने की क्षमता है। (स्रोतः **https://sundayguardianlive.com**)

स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती श्रद्धा ———————————पृष्ठ 1 का शेष

भविष्य होने के नाते युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वामी विवेकानंद की पुस्तकें और उनके विचार आज भी लोगों को प्रेरित और सशक्त करते हैं तथा सभी को उनके साहित्य का अध्ययन कर उद्देश्य की स्पष्टता, आत्मबल और प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए।

अपने संबोधन में रामकृष्ण मिशन, श्री विजय पुरम के सचिव स्वामी ओंकारात्मानंद ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनसमूह को ज्ञान, साहस और चरित्र के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर एक रैली का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। रैली नेताजी स्टेडियम से प्रारंभ होकर नेताजी स्टेडियम क्लॉक टॉवर, मॉडल स्कूल, पोस्ट ऑफिस, बंगाली क्लब, सीईओ कार्यालय, एलआईसी भवन, गांधी प्रतिमा, क्लॉक टॉवर, नारायण चौक, स्विमिंग पूल, गर्ल्स स्कूल, आरके मिशन होते हुए जेएनआरएम स्थित विवेकानंद प्रतिमा पर जाकर संपन्न हुई। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम खेल एवं युवा कार्य विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा शिक्षा विभाग, जेएनआरएम, एनवाईके, एसएआई तथा रामकृष्ण मिशन के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन स्वामी विवेकानंद के संदेशों को आत्मसात कर एक सशक्त, प्रबुद्ध एवं प्रगतिशील समाज के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

'डीब्राइट' में राष्ट्रीय युवा दिवस पर विधि ———————————पृष्ठ 1 का शेष

अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। श्री अनुपम सरकार ने नेतृत्व, चरित्र निर्माण एवं युवा सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों को व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में आत्मबल, उत्तरदायित्व एवं नैतिक शक्ति विकसित करने के लिए प्रेरित किया। डीएलएसए द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम विधिक जागरूकता एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन का प्रभावी संगम रहा, जिससे छात्र अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति अधिक सजग हुए और राष्ट्रीय युवा दिवस के संदेश से गहराई से प्रेरित हुए।

पंचायत प्रतिनिधियों हेतु स्थानीय शासन सुदृढ़ीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डिगलीपुर, 12 जनवरी

ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा आज ग्राम पंचायत सुभाषग्राम के सम्मेलन कक्ष में "स्थानीय शासन को सुदृढ़ बनाना–पंचायती राज संस्थाओं के सिद्धांतों एवं उद्देश्यों पर निर्वाचित प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण (थीम–8)" विषय पर ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से प्रधानों एवं वार्ड सदस्यों सहित निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता में वृद्धि करना तथा जमीनी स्तर पर पारदर्शी, जवाबदेह एवं सहभागी शासन को बढ़ावा देना था।

आरजीएसए के डोमेन विशेषज्ञ (आईटी) श्री सी.एच. किरण कुमार ने संसाधन व्यक्ति के रूप में स्थानीय शासन को मजबूत करने, शासन प्रदर्शन के आकलन हेतु लोकल इंडिकेटर फ्रेमवर्क (एलआईएफ) के उपयोग तथा प्रभावी सेवा वितरण के लिए विकासात्मक प्रगति की निगरानी पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में सामुदायिक विकास खंड, डिगलीपुर के खंड विकास अधिकारी श्री एम. राजेंद्र कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। बीडीओ, डिगलीपुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सत्रों में सामाजिक अंकेक्षण, विशेष ग्राम सभा तथा ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) तैयार करने के व्यावहारिक पहलुओं पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान एक संवादात्मक चर्चा एवं फीडबैक सत्र आयोजित किया गया तथा प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

बैरन द्वीप के लिए विशेष समुद्री क्रूज का आयोजन

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

पर्यटकों एवं स्थानीय निवासियों के बीच बैरन द्वीप भ्रमण में बढ़ती रुचि को देखते हुए, जहाजरानी सेवा निदेशालय द्वारा फरवरी, 2026 के लिए एक विशेष राउंड क्रूज निर्धारित किया गया है। यह विशेष क्रूज यात्रियों को दक्षिण एशिया के एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी को नजदीक से देखने का दुर्लभ अवसर प्रदान करेगा, साथ ही अण्डमान सागर की प्राकृतिक सुंदरता का भी आनंद लेने का अवसर देगा। नौकायन कार्यक्रम निम्नलिखित है:

माह	जहाज का नाम	प्रस्थान की तारीख और समय
फरवरी, 2026	नालंदा	13.02.2026 को 9 बजे
	नालंदा	27.02.2026 को 9 बजे

Scan QR Code to open on mobile.

टिकटों की बुकिंग डीएसएस ई–टिकटिंग पोर्टल **https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing** के माध्यम से की जा सकती है। यह पोर्टल 15 जनवरी, 2026 को सुबह 9 बजे से 24×7 उपलब्ध रहेगा। उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ने वाला एक क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है।

कछाल द्वीप में पशुपालकों हेतु पशु प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग, कमोर्टा द्वारा यूटीएटीएमए (केंद्र शासित प्रदेश कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी) के सहयोग से 8 एवं 9 जनवरी को निकोबार जिले के कछाल द्वीप स्थित ई–वॉल गांव में दो दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय "बछड़ा, मेमना तथा गर्भवती गाय एवं बकरी की देखभाल एवं प्रबंधन" रहा। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य, पोषण एवं उत्पादकता में सुधार हेतु वैज्ञानिक ज्ञान एवं सर्वोत्तम प्रथाओं से सुसज्जित करना था। प्रशिक्षण सत्रों में नवजात पशुओं को कोलोस्ट्रम पिलाने की सही विधि, बढ़ते बछड़ों एवं मेमनों के लिए संतुलित आहार, खनिज एवं विटामिन अनुपूरण, कृमिनाशक एवं टीकाकरण कार्यक्रम, सामान्य रोगों की पहचान एवं प्रबंधन, वैज्ञानिक आवास एवं स्वच्छता, गर्भावस्था जांच, प्रसव पूर्व एवं पश्चात देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। विभाग के संसाधन व्यक्तियों द्वारा द्वीपीय परिस्थितियों एवं लघु कृषक प्रणाली के अनुरूप व्यावहारिक प्रदर्शन, संवादात्मक चर्चा एवं प्रत्यक्ष मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में कछाल के उप–कप्तान श्री एस. सैमसन ने भाग लेकर किसानों को प्रशिक्षण में प्रदर्शित उन्नत पशुपालन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ढंग से पशुपालन करने से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होता है, मृत्यु दर में कमी आती है, दुग्ध उत्पादन बढ़ता है तथा किसानों की आय में वृद्धि होती है। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय पशुपालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 9 जनवरी को प्रशिक्षण का समापन हुआ, जिसमें किसानों ने कार्यक्रम की उपयोगिता एवं समयबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया।

टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय (टीजीसीई) में स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक एवं भावी शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका पर चिंतन करने के लिए प्रेरित किया तथा राष्ट्र निर्माण एवं व्यक्तिगत उत्कृष्टता की दिशा में अपनी ऊर्जा को सकारात्मक रूप से लगाने का संदेश दिया। टैगोर कॉलेज द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रारंभिक भाषण में स्वामी विवेकानंद के आदर्शों की वर्तमान युवाओं के लिए प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शास्त्रीय नृत्य, स्वामी विवेकानंद पर कविता पाठ, उनके जीवन एवं शिक्षाओं पर आधारित वीडियो प्रदर्शन शामिल रहा। इसके अतिरिक्त स्वामी विवेकानंद पर आधारित एक नाट्य प्रस्तुति तथा कथावाचन आधारित वाद्य नृत्य भी प्रस्तुत किया गया।

जिला परिषद विवेकानंद केंद्र विद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

दक्षिण अण्डमान के शोर प्वाइंट स्थित जिला परिषद विवेकानंद केंद्र विद्यालय में स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों, शिक्षाओं एवं दृष्टि से प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में दक्षिण अण्डमान जिला परिषद के उपाध्यक्ष श्री एस. भूमिनाथन मुख्य अतिथि रहे, जबकि शोर प्वाइंट निर्वाचन क्षेत्र की जिला परिषद सदस्य श्रीमती धना रेखा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को पुरस्कार भी वितरित किए।

दक्षिण अण्डमान जिला परिषद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति एवं लोक नृत्य, स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं शिक्षाओं पर आधारित नाट्य प्रस्तुति तथा राष्ट्रीय युवा दिवस के महत्व पर भाषण सहित अनेक रंगारंग एवं अर्थपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधान अध्यापिका श्रीमती सीता दास के स्वागत भाषण के साथ हुआ।

जिला परिषद विवेकानंद केंद्र विद्यालय, फरारगंज में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

जिला परिषद विवेकानंद केंद्र विद्यालय, फरारगंज में आज स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुशासन, चरित्र निर्माण तथा राष्ट्र सेवा के स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करना था।

दक्षिण अण्डमान जिला परिषद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में अपर वन संरक्षक श्री आर. एस. शरत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला परिषद सदस्य श्री अब्दुल अज़ीज़ विशिष्ट अतिथि रहे, जबकि ग्राम पंचायत बृंदावन की प्रधान श्रीमती एम. ए. नसीम बानू विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुईं।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने युवाओं से स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को आत्मसात कर समाज में सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां प्रस्तुत की गईं तथा समापन जिला परिषद सदस्य फरारगंज निर्वाचन क्षेत्र के श्री अब्दुल बशीर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

'डीब्राइट' में अतिथि सहायक प्राध्यापकों एवं अंशकालिक प्रशिक्षकों की भर्ती हेतु साक्षात्कार

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट), श्री विजय पुरम में शैक्षणिक सत्र 2025–26 (सम सेमेस्टर) के लिए डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथि सहायक प्राध्यापकों एवं अंशकालिक प्रशिक्षकों की भर्ती हेतु साक्षात्कार (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक) 16 जनवरी, 2026 को आयोजित किया जाएगा।

योग्यता, साक्षात्कार कार्यक्रम तथा डेमो विषयों से संबंधित विवरण संस्थान की वेबसाइट **https://dbrait.andamannicobar.gov.in** से डाउनलोड किए जा सकते हैं। पात्र अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय अपना बायोडाटा (रेज़्यूमे) तथा शैक्षणिक योग्यता, प्रशिक्षण, अनुभव आदि से संबंधित स्वप्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत करने के लिए सूचित किया गया है। 'डीब्राइट' द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि अभ्यर्थियों को सत्यापन हेतु अपने सभी मूल प्रमाण पत्र भी साथ लाने होंगे।

एबीपीएल–4 बैडमिंटन चैंपियनशिप का सफल समापन

श्री विजय पुरम, 12 जनवरी

7 जनवरी से प्रारंभ हुई पांच दिवसीय लीग सह नॉकआउट एबीपीएल–4 चैंपियनशिप का कल नेताजी स्टेडियम के बहुउद्देशीय हॉल में सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में द्वीपसमूह के कुल 60 शीर्ष खिलाड़ियों ने 10 टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया।

इस अवसर पर श्री सी. राज, निदेशक, आरईएसटीआई, एसबीआई मुख्य अतिथि रहे, जबकि श्री दिनेश कन्नन, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा श्री उम्मर फारूक, मुख्य प्रबंधक, एसबीआई विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बानी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रॉफी, पदक एवं प्रमाण पत्रों के अतिरिक्त टूर्नामेंट विजेता एसडीजे गोल्डन रैकेट्स को 1 लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। उप विजेता आईएनएस ब्लेज़ फ्यूज़न को 70,000 रुपये तथा टीम स्ट्रिंग रूलर्स को 40,000 रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि दी गई।

मास्टर एरिक जेम्स को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया, जबकि मास्टर अक्षज को उभरते हुए युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी के रूप में चयनित किया गया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) एस. बिजू पिल्लै
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

भारत के डेयरी क्षेत्र का डिजिटल कायाकल्प, एक स्मार्ट, पारदर्शी और किसान–केंद्रित इकोसिस्टम का निर्माण

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

भारत आज विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, जो वैश्विक उत्पादन में 25 प्रतिशत की भारी हिस्सेदारी रखता है। जैसे–जैसे यह क्षेत्र विस्तार कर रहा है, वैसे–वैसे उत्पादकता, पारदर्शिता और किसान कल्याण को बढ़ावा देने में डिजिटल उपकरणों की भूमिका निरंतर महत्वपूर्ण होती जा रही है। इस परिवर्तनकारी यात्रा में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) सबसे आगे रहा है। एनडीडीबी ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है जो किसानों, सहकारी समितियों और डेयरी वैल्यू चेन के सभी हित धारकों को एक सूत्र में पिरोते हैं। इन पहलों का मुख्य उद्देश्य डेयरी परिचालन को आधुनिक बनाना, कमियों को दूर करना और ट्रेसेबिलिटी (सटीक निगरानी) को बढ़ाना है, ताकि दुनिया के इस सबसे बड़े डेयरी इकोसिस्टम को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) के सहयोग से कार्यान्वित राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (एनडीएलएम), एक एकी. त डिजिटल पशुधन इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम है, जिसे "भारत पशुधन" का नाम दिया गया है।

पशुधन प्रबंधन को डेटा–संचालित और सटीक बनाने के लिए, 'भारत पशुधन' डेटाबेस में जमीनी स्तर की सभी गतिविधियों का लेखा–जोखा रखा जा रहा है। इसमें पशु प्रजनन, कृत्रिम गर्भाधान, स्वास्थ्य सेवाएँ, टीकाकरण और उपचार जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दर्ज की जाती हैं। अब तक इस सिस्टम में 84 करोड़ से अधिक ट्रांजैक्शन दर्ज किए जा चुके हैं। पशु चिकित्सक और एक्सटेंशन वर्कर सहित फील्ड कर्मचारी किसानों को इस सिस्टम तक पहुंचने में मदद करते हैं।

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (एनडीएलएम) पशुपालकों को सशक्त बनाने और पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए विशिष्ट पशु पहचान, डेटा इंटीग्रेशन और मोबाइल एप्लीकेशन जैसे आधुनिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर रहा है। इस मिशन का संकल्प है कि भारत के प्रत्येक पशु की अपनी एक 'डिजिटल पहचान' हो, जिसे उसके स्वास्थ्य रिकॉर्ड और उत्पादन डेटा से सीधे जोड़ा जा सके। इस मिशन को विभिन्न राज्यों में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड तकनीकी मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता, दोनों ही मोर्चों पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के अनुरूप, अब भारत में भी सभी पशुओं के कान में 12–अंकों वाला एक विशिष्ट बार–कोडेड टैग आईडी लगाया जा रहा है। इस विशिष्ट कोड को "पशु आधार" का नाम दिया गया है, जो पशु से संबंधित हर गतिविधि जैसे टीकाकरण, प्रजनन और उपचार आदि के लिए एक 'प्राइमरी की' (मुख्य आधार) के रूप में कार्य करता है। पशु से संबंधित इन सभी गतिविधियों और सेवाओं का विवरण इस टैग आईडी के माध्यम से एक ही स्थान पर देखा जा सकता है। यह डेटा न केवल पशुपालक किसान को उपलब्ध होगा, बल्कि संबंधित क्षेत्र के पशु चिकित्सकों और फील्ड कार्यकर्ताओं को भी उनके अधिकार क्षेत्र के पशुओं के लिए स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। डिजिटल पशुधन प्रबंधन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, नवंबर 2025 तक 35.68 करोड़ से अधिक 'पशु आधार' जारी किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन के अंतर्गत, '1962 ऐप' पशुपालकों को पशुपालन के सर्वोत्तम तरीकों और सरकारी योजनाओं के बारे में प्रमाणित जानकारी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, किसानों के लिए टोल–फ्री नंबर 1962 भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से वे 'मोबाइल वेटरनरी यूनिट' के जरिए अपने घर पर ही पशु चिकित्सा सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल ने लाइट टेस्ट में लक्ष्य पर किया सटीक हमला

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

शीर्ष आक्रमण क्षमता वाली तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) ने उड़ान परीक्षण में एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित की है। इस दौरान मिसाइल और वारहेड के प्रदर्शन मानक के अनुरूप पाए गए। परीक्षण का लक्ष्य एक डमी टैंक था, जिसे मिसाइल ने सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इस परीक्षण ने सेना के लिए तीसरी पीढ़ी की स्वदेशी मैन पोर्टबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल हासिल करने का रास्ता बना दिया है।

डीआरडीओ की हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने महाराष्ट्र के अहिल्या नगर की केके रेंज में एक गतिशील लक्ष्य के खिलाफ सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया। स्वदेश में विकसित एमपीएटीजीएम में अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियां जैसे इमेजिंग इंफ्रारेड (आईआईआर) होमिंग सीकर, ऑल इलेक्ट्रिक कंट्रोल एक्चुएशन सिस्टम, फायर कंट्रोल सिस्टम, टैंडम वारहेड, प्रणोदन प्रणाली और उच्च प्रदर्शन दृष्टि प्रणाली शामिल हैं। इन्हें डीआरडीओ की सहयोगी प्रयोगशालाओं रिसर्च सेंटर इमारत, हैदराबाद, टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी, चंडीगढ़, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला, पुणे और इंस्ट्रूमेंट्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, देहरादून में विकसित किया गया है।

डीआरडीओ के मुताबिक थर्मल टारगेट सिस्टम को डिफेंस लैबोरेटरी, जोधपुर ने टारगेट टैंक की नकल करने के लिए बनाया था। आईआईआर सीकर दिन और रात में कॉम्बैट ऑपरेशन की काबिलियत रखता है। यह वॉरहेड मॉडर्न मेन बैटल टैंक को हराने में काबिल है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड इस वेपन सिस्टम के डेवलपमेंट–कम–प्रोडक्शन पार्टनर हैं। मिसाइल को ट्राइपॉड या मिलिट्री व्हीकल लॉन्चर से लॉन्च किया जा सकता है। डीआरडीओ ने पिछले साल 13 अप्रैल और 13 अगस्त को 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत मैन पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल के परीक्षण किये थे।

इस मिसाइल का अधिकतम सीमा तक उड़ान का परीक्षण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। मिसाइल को उन्नत एवियोनिक्स के साथ अत्याधुनिक लघु इन्फ्रारेड इमेजिंग तकनीक के साथ लैस किया गया है। इस मिसाइल की लंबाई लगभग 1,300 मिमी. है और वजन कम रखने के लिए एल्यूमीनियम और कार्बन फाइबर लॉन्च ट्यूब के साथ लगभग 120 मिमी का व्यास रखा गया है। मिसाइल का कुल वजन 14.5 किलोग्राम और इसकी कमांड लॉन्च यूनिट (सीएलयू) का वजन 14.25 किलोग्राम है जो लेजर ऑल–वेदर को डिजिटल ऑल–वेदर के साथ जोड़ती है।

विराट कोहली बनाम सचिन तेंदुलकर, 309 वनडे मैचों के बाद कैसा है दोनों का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

विराट कोहली इस वक्त वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। विराट कोहली अपने करियर में अभी तक 309 वनडे मैच खेल चुके हैं। वहां उनके बल्ले से अब तक 297 पारियों में 58.60 के औसत से 14650 रन आए हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर की बात करें तो उन्होंने अपने करियर में 463 वनडे मैच खेले थे। 309 वनडे मैचों के बाद वह 300 पारियों में 44.50 के औसत से 12015 रन बनाने में कामयाब रहे थे। रन बनाने के मामले में विराट यहां सचिन से काफी आगे हैं।

शतक और अर्धशतक लगाने की बात करें तो विराट ने 309 वनडे मैचों में 53 शतक लगाए हैं और इस दौरान वह 77 अर्धशतक लगाने में भी कामयाब रहे हैं। वहीं अगर बात करें सचिन तेंदुलकर की तो वह 309 वनडे के बाद 34 शतक जड़ने में कामयाब रहे थे। वहीं इस दौरान उन्होंने 60 अर्धशतकीय पारियां भी खेली थी। यहां भी विराट का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

विराट कोहली का 309 मैचों के बाद एक वनडे मैच में हाईएस्ट स्कोर 183 रन है। ये पारी उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी। वह अभी तक वनडे करियर में एक भी दोहरा शतक नहीं लगा पाए हैं। वहीं बात करें सचिन तेंदुलकर का हाईएस्ट स्कोर नाबाद 186 रन का था। ये पारी उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली थी। सचिन अपने वनडे करियर एक दोहरा शतक जड़ने में कामयाब रहे थे।

विराट कोहली की बात करें तो 309 वनडे मैचों के बाद वह 1364 चौके लगाने में कामयाब रहे थे। इस दौरान उन्होंने 165 छक्के भी लगाए थे। वहीं सचिन ने इतने ही मैचों में 1249 चौके और 135 छक्के लगाने में कामयाब रहे थे। चौके–छक्के लगाने के मामले में भी विराट का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

पीएसएलवी–सी62/ईओएस–एन1 मिशन विफल, तीसरे चरण में गड़बड़ी से 'अन्वेषा' उपग्रह कक्षा में नहीं पहुंच सका

श्रीहरिकोटा, 12 जनवरी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का पीएसएलवी–सी62/ईओएस–एन1 मिशन रविवार को तकनीकी खामी के कारण विफल घोषित कर दिया गया। इस मिशन के तहत रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अत्यंत गोपनीय हाइपरस्पेक्ट्रल निगरानी उपग्रह 'अन्वेषा' का प्रक्षेपण किया गया था, लेकिन रॉकेट के तीसरे चरण (पीएस3) के अंतिम चरण में आई गड़बड़ी के कारण उपग्रह को निर्धारित कक्षा में स्थापित नहीं किया जा सका।

इसरो के अनुसार, मिशन के दौरान पीएसएलवी रॉकेट का उड़ान क्रम सामान्य रूप से आगे बढ़ रहा था, लेकिन तीसरे स्टेज के अंत में रॉकेट मार्ग से भटक गया, जिससे पेलोड को अपेक्षित कक्षा में इंजेक्ट नहीं किया जा सका। इसके बाद इसरो ने मिशन को विफल घोषित करते हुए विस्तृत तकनीकी विश्लेषण शुरू कर दिया है।

दरअसल, इसरो का यह 64वां पीएसएलवी मिशन (पीएसएलवी–सी62/ईओएस–एन1) आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 10:18 बजे प्रक्षेपित किया गया था। इस उड़ान के माध्यम से कुल 16 उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजा जाना था, जिनमें डीआरडीओ द्वारा विकसित 'अन्वेषा' सबसे महत्वपूर्ण पेलोड था।

इसरो ने पहले बताया था कि 'अन्वेषा' एक अत्याधुनिक हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग सैटेलाइट है, जो जंगलों की गहराई से लेकर युद्ध के मैदान में छिपी बेहद सूक्ष्म वस्तुओं तक की पहचान करने में सक्षम है। यह उपग्रह पर्यावरण निगरानी, संसाधन मानचित्रण और सामरिक निगरानी के साथ–साथ रक्षा क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमताओं को नई मजबूती प्रदान करने वाला था।

हालांकि मिशन की असफलता से इसरो और रक्षा प्रतिष्ठान को झटका लगा है, लेकिन वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि इसरो की टीम खामी के कारणों की गहन जांच कर रही है, ताकि भविष्य के मिशनों में ऐसी त्रुटियों से बचा जा सके।

हर्षित राणा का बड़ा कारनामा, जसप्रीत बुमराह के साथ इरफान पठान को भी पछाड़ा

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वडोदरा में खेले गए पहले ODI मुकाबले के दौरान टीम इंडिया के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने गेंद और बल्ले दोनों से अहम योगदान दिया। हर्षित राणा ने 2 अहम विकेट अपने नाम किए। उन्होंने न्यूजीलैंड की सलामी जोड़ी को पवेलियन का रास्ता दिखाया। हर्षित राणा ने सबसे पहले हेनरी निकोल्स को चलता किया। इसके बाद डेवान कॉन्च को पवेलियन का रास्ता दिखाया। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। हर्षित राणा ने अपने छोटे से ODI करियर में ही ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिससे उन्होंने न सिर्फ जसप्रीत बुमराह, बल्कि भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान को भी खास लिस्ट में पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल, भारत के लिए ODI क्रिकेट में पहली 12 पारियों के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में हर्षित राणा अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हर्षित ने 12 ODI पारियों में कुल 23 विकेट झटके हैं। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ अजीत अगरकर हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती 12 ODI मैचों में 29 विकेट लिए थे। इस खास लिस्ट में जसप्रीत बुमराह तीसरे स्थान पर हैं। बुमराह ने भारत के लिए ODI करियर की पहली 12 पारियों में 22 विकेट हासिल किए थे, जबकि इरफान पठान ने इतने ही मैचों में 21 विकेट चटकाए थे।

12 ओडीआई पारियों के बाद सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज–29 – अजीत अगरकर, 23 – हर्षित राणा, 22 – जसप्रीत बुमराह, 21 – इरफान पठान

वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेले गए पहले ओडीआई में हर्षित राणा ने गेंदबाजी से ही नहीं बल्कि बल्ले से भी प्रभावित किया। उन्होंने टीम इंडिया की बल्लेबाजी लड़खड़ाने पर केएल राहुल के साथ मिलकर पारी को संभाला और तेजी से रन बटोरते हुए कीवी गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेलने का काम किया।

भारत ने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत क्षमता और वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की प्रतिबद्धता फिर से व्यक्त की है। अबू धाबी में अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी की 16वीं बैठक में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि ऊर्जा उपयोग में परिवर्तन के लिए भारत का .ष्टिकोण वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत से प्रेरित– "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" है। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण समानता, समावेशिता और नीतिगत स्थिरता के दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर आधारित है।

श्री जोशी ने कहा कि भारत ने पेरिस समझौते के अंतर्गत अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान लक्ष्य से पांच वर्ष पहले ही, 2025 तक गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 266 गीगावॉट से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही भारत नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में शामिल हो गया है।

इतिहास के पन्नों में 13 जनवरी : गांधीजी का आमरण अनशन और अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा का जन्म

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

भारतीय इतिहास में 13 जनवरी की तारीख विशेष महत्व रखती है। यह दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आमरण अनशन और भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के जन्म से जुड़ा हुआ है। वर्ष 1948 में 13 जनवरी को महात्मा गांधी ने हिन्दू मुस्लिम एकता और देश में शांति बनाए रखने के उद्देश्य से आमरण अनशन शुरू किया था। यह अनशन उन्होंने उस समय कलकत्ता (अब कोलकाता) में किया, जब देश विभाजन के बाद सांप्रदायिक हिंसा और उन्माद की आग में झुलस रहा था। गांधीजी का यह कदम साम्प्रदायिक तनाव के खिलाफ एक नैतिक और अहिंसक संघर्ष का प्रतीक बना।

इस अनशन में हजारों लोग शामिल हुए, जिनमें बड़ी संख्या में हिन्दू, सिख और पाकिस्तान से आए शरणार्थी भी थे। गांधीजी की शांति की अपील का व्यापक असर हुआ। 18 जनवरी 1948 को सुबह करीब 11:30 बजे, विभिन्न संगठनों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने गांधीजी से मुलाकात की और शांति बनाए रखने से जुड़ी उनकी शर्तों को स्वीकार किया। इसके बाद गांधीजी अनशन तोड़ने के लिए सहमत हुए। यह घटना भारतीय इतिहास में अहिंसा और सामाजिक सद्भाव की एक मिसाल मानी जाती है।

इसी तारीख से जुड़ी एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा का जन्म। 13 जनवरी 1949 को पटियाला में जन्मे राकेश शर्मा ने भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। वे 3 अप्रैल 1984 को सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान सोयुज टी–11 से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। अंतरिक्ष से भारत को देखकर उनका प्रसिद्ध वाक्य "सारे जहाँ से अच्छा" आज भी देशवासियों के लिए गर्व का विषय है।

राकेश शर्मा न केवल पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री थे, बल्कि वे दुनिया के शुरुआती अंतरिक्ष यात्रियों में भी शामिल रहे। बाद में उन्होंने भारतीय वायुसेना में सेवा जारी रखी और 1987 में विंग कमांडर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र– 1607 – स्पेन में राष्ट्रीय दिवालिएपन की घोषणा के बाद 'बैंक ऑफ जेनेवा' का पतन हुआ।

1709– मुगल शासक बहादुर शाह प्रथम ने सत्ता संघर्ष में अपने तीसरे भाई कमबख्श को हैदराबाद में पराजित किया।

1818– उदयपुर के राणा ने मेवाड़ के संरक्षण के लिये अंग्रेज़ों के साथ संधि की।

1842 – ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी की सेना के अधिकारी डॉ. विलियम ब्राइडन 'आंग्ल अफ़गान युद्ध' में जिंदा बचे रहने वाले इकलौते ब्रिटिश सदस्य रहे।

1849 – द्वितीय आंग्ल सिख युद्ध के दौरान चिलियांवाला की प्रसिद्ध लड़ाई शुरू हुई।

1889– असम के युवाओं ने अपनी साहित्यिक पत्रिका 'जोनाकी' का प्रकाशन शुरू किया।

1910 – न्यूयॉर्क शहर में दुनिया का पहला सार्वजनिक रेडियो प्रसारण प्रारम्भ हुआ।

1993 – अमेरिका और उसके सहयोगियों ने दक्षिणी इराक़ में नो फ़्लाई ज़ोन लागू करने के लिए इराक पर हवाई हमले किए।

1995 – बेलारूस नाटो का 24वां सदस्य देश बना।

2006 – परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर सैन्य आक्रमण से ब्रिटेन ने इन्कार किया।

2007 – महिलाओं के प्रति भेदभाव दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का 37वाँ अधिवेशन न्यूयार्क में शुरू।

2008 – चाय निर्माण कंपनी मारवल चाय को संयुक्त अरब अमीरात से एक लाख किलोग्राम चाय के निर्माण का आर्डर मिला।

2009 – जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फ़ारुख़ अब्दुल्ला नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष बनाए गए।

ठंड में होने वाला दर्द कहीं यूरिक एसिड तो नहीं है, जान लें हाई यूरिक एसिड के लक्षण, ठीक करने के उपाय

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

सर्दियों में ठंड की वजह से शरीर में दर्द, जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या बढ़ जाती है। गठिया के मरीज सर्दियों में सबसे ज्यादा परेशान रहते हैं। कई बार जोड़ों में दर्द के साथ सूजन भी आने लगती है। ये सिर्फ ठंड का असर नहीं बल्कि हाई यूरिक एसिड का भी लक्षण हो सकता है। जानें यूरिक एसिड बढ़ने पर शरीर में क्या लक्षण नजर आते हैं और इसे कैसे कम करें?

यूरिक एसिड शरीर में बनने वाला नेचुरल अपशिष्ट पदार्थ है। ये शरीर में प्यूरीन को तोड़ने पर बनता है। अब खाने में कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो प्यूरीन ज्यादा बनाती हैं जिससे यूरिक एसिड बढ़ने लगता है। जैसे रेड मीट, सी फूड और शराब में पाए जाने वाले पर्दा। आम तौर पर यूरिक एसिड खून में घुल जाता है और किडनी इसे फिल्टर करके टॉयलेट के जरिए निकाल देती है। इसके अलावा अतिरिक्त बिल्डअप हाइपरयूरिसीमिया का कारण बन सकता है, जो गाउट, गुर्दे की पथरी और सूजन का खतरा बढ़ाता है।

यूरिक एसिड के लक्षण– जोड़ों में दर्द और सूजन– यूरिक एसिड बढ़ने पर शरीर में यूरिक एसिड क्रिस्टल बन सकते हैं, जो जोड़ों में जमा हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में तेज दर्द, लालिमा और सूजन आ जाती है। अंगूठा, घुटनों, टखनों और उंगलियों को ये प्रभावित कर सकता है।

जोड़ों में अकड़न– अगर सुबह जगने के बाद जोड़ों में अकड़न या बेचैनी रहती है तो इसे शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने का भी लक्षण माना जा सकता है।

यूरिक एसिड क्रिस्टल– अगर यूरिक एसिड बढ़कर गंभीर स्थिति में पहुंच जाता है तो इसे क्रोनिक कंडीशन कहते हैं। ऐसी स्थिति में जोड़ों, कानों या उंगलियों के आसपास की त्वचा के नीचे गांठें बन जाती हैं। ये यूरिक एसिड के जमाव होते हैं और दर्दनाक हो सकते हैं।

गुर्दे की पथरी– कई बार यूरिक एसिड बढ़ने पर क्रिस्टल के रूप में गुर्दे में जमा होने लगता है, जिससे किडनी में पथरी बन सकती है। इससे तेज दर्द, मतली और पेशाब करने में परेशानी हो सकती है।

बार–बार पेशाब जाने की इच्छा– हाई यूरिक एसिड का एक ये भी लक्षण हैं कि आपको बार–बार पेशाब जाने की इच्छा होती है। इसका कारण ये है कि आपकी किडनी का फंक्शन प्रभावित होता है। जिससे रात में खासतौर से पेशाब जाने की इच्छा बढ़ जाती है।

जोड़ों की त्वचा लाल होना– अगर जोड़ों में दर्द और सूजन आ रही है। आसपास की त्वचा लाल दिख रही है और हल्की गर्माहट महसूस हो रही है तो ऐसा यूरिक एसिड के जमा होने की वजह से हो सकता है।

यूरिक एसिड को कम करने के उपाय

इसके लिए लाल मांस खाना छोड़ दें। सी फूड्स का सेवन न करें। खाने में हाई प्यूरीन वाली दालें जैसे उड़द, राजमा, चना और अरहर की दाल खाना कम कर दें। दिनभर में भरपूर मात्रा में पानी पीएं। मीठे पेय पदार्थ, मिठाई या किसी भी तरह के मीठे के सेवन से दूर रहें। फर्मेंटेड फूड भी कम खाएं। जंक फूड से एकदम दूर रहें।

गति, गुणवत्ता और तकनीक से भारत बना रहा विश्व स्तरीय हाईवे–केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वस्तरीय राजमार्ग परियोजना और बड़े पैमाने पर परियोजना क्रियान्वयन में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

श्री नितिन गडकरी ने आज आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में एनएच–544जी बेंगलुरु–कडप्पा–विजयवाड़ा आर्थिक गलियारा (कॉरिडोर) पर बनाए गए चार गिनीज विश्व रिकॉर्ड के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित किया। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष यादव, सांसद पार्थसारथी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, नई तकनीकों के उपयोग और गुणवत्ता के साथ गति बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और अनुबंधकर्ता राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को बधाई देते हुए कहा कि सरकार का मिशन लागत कम करते हुए गुणवत्ता में सुधार करना और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देना है।उन्होंने कहा कि नवाचार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के जरिए ज्ञान को संपदा में बदलना ही देश के भविष्य की दिशा तय करेगा और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति से असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

श्री गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में

सरकार लगातार नई तकनीकों का उपयोग कर रही है और गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा रहा है। हमारी कोशिश है कि राजमार्ग निर्माण की गति लगातार बढ़े, लागत घटे और साथ ही पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी का संरक्षण भी सुनिश्चित हो। अलग–अलग प्रकार की नई सामग्री और नवोन्मेषी (इनोवेटिव) तकनीकों का उपयोग कर सड़क निर्माण को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण–अनुकूल बनाया जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के वैज्ञानिकों ने धान की पराली से बिटुमेन बनाने में सफलता हासिल की है और इस तकनीक को 15 उद्योगों को पेटेंट के रूप में प्रदान किया जा चुका है। अब देश में पराली से बिटुमेन का उत्पादन शुरू हो गया है, जिससे प्रदूषण की समस्या कम होगी और किसानों को भी लाभ मिलेगा।

कागजी फाइल से डिजिटल फॉर्म तक, जानिए आजादी से अब तक आम बजट में क्या–क्या बदला

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

देश की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं। यह उनका लगातार नौवां बजट होगा, और इसी के साथ वह लगातार 9 बार बजट पेश करने वाली देश की पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। वहीं, भारत के इतिहास का यह 80वां केंद्रीय बजट होगा।

भारत का केंद्रीय बजट केवल आय–व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आर्थिक सोच और नीतिगत दिशा का आईना भी होता है। आजादी के बाद से लेकर अब तक बजट की तारीख, समय, प्रस्तुति की शैली और उसकी प्राथमिकताओं में कई बड़े बदलाव हुए हैं। समय के साथ भारत की अर्थव्यवस्था बदली और उसी के साथ बजट की परंपराएं भी आधुनिक होती चली गईं।

भारत में पहली बार बजट 7 अप्रैल 1860 को पेश किया गया था। हालांकि उस समय देश ब्रिटिश शासन के अधीन था। आजाद भारत का पहला केंद्रीय बजट 26 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इसे तत्कालीन वित्त मंत्री आर.के. शनमुखम चेट्टी ने संसद में प्रस्तुत किया। यह बजट आजादी के बाद की शुरुआती आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था, जिसमें देश के पुनर्निर्माण और बुनियादी जरूरतों पर फोकस था। इसके बाद से अब तक बजट की प्रक्रिया में कई बड़े और ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं।

लंबे समय तक भारत में केंद्रीय बजट हर साल 28 फरवरी को पेश किया जाता रहा। यह परंपरा ब्रिटिश काल से चली आ रही थी। लेकिन साल 2017 में मोदी सरकार ने एक ऐतिहासिक बदलाव करते हुए बजट की तारीख 1 फरवरी कर दी। इसका मकसद यह था कि बजट से जुड़ी योजनाएं नए वित्त वर्ष की शुरुआत यानी 1 अप्रैल से पहले ही लागू की जा सकें और राज्यों को भी अपनी योजनाएं बनाने के लिए ज्यादा समय मिल सके।

साल 2019 से पहले बजट को चमड़े के ब्रीफकेस में संसद लाया जाता था। लेकिन वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने इस परंपरा को बदलते हुए बजट को लाल रंग के कपड़े में लपेटकर पेश किया। पहले बजट दस्तावेज भारी–भरकम कागजी फाइलों में पेश किए जाते थे। लेकिन साल 2021 में पहली बार भारत का केंद्रीय बजट पूरी तरह डिजिटल फॉर्म में पेश किया गया। इसके साथ ही 'बजट ऐप' भी लॉन्च किया गया, जिससे आम लोग आसानी से बजट से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकें।

आजादी के बाद कई दशकों तक भारत में अलग से रेल बजट पेश किया जाता था। लेकिन साल 2017 में रेल बजट को केंद्रीय बजट में ही शामिल कर दिया गया। सरकार का तर्क था कि इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग

होगा और रेलवे के विकास को समग्र आर्थिक नीति से जोड़ा जा सकेगा।एक समय ऐसा था जब भारत का बजट शाम 5 बजे पेश किया जाता था। लेकिन श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार (वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा) ने बजट की टाइमिंग बदलकर सुबह 11 बजे कर दी। तब से लेकर आज तक बजट इसी समय पेश किया जाता है।

वहीं आम बजट 2026–27 को लेकर चर्चाएं तेज हैं, खासकर इसलिए क्योंकि इस बार बजट की तारीख 1 फरवरी 2026 को रविवार है। इसे लेकर असमंजस की स्थिति जरूर है, लेकिन संसदीय इतिहास बताता है कि जरूरत पड़ने पर शनिवार और रविवार जैसे अवकाश वाले दिन भी कार्य दिवस घोषित किए जा चुके हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि इस पर अंतिम फैसला संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा सही समय पर लिया जाएगा। अगर 1 फरवरी को बजट पेश होता है, तो यह कोई नई बात नहीं होगी। 2020 में कोविड महामारी के दौरान रविवार को संसद की कार्यवाही हुई थी। वर्ष 2015 और 2016 में वित्त मंत्री अरुण जेटली ने शनिवार को बजट पेश किया था। 2025 में निर्मला सीतारमण ने भी शनिवार को बजट प्रस्तुत किया था।

शुरुआती दौर में बजट का फोकस कृषि, सिंचाई और बुनियादी ढांचे पर था। समय के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, स्टार्टअप, डिजिटल इंडिया, ग्रीन एनर्जी और सामाजिक कल्याण जैसे विषय बजट की प्राथमिकताओं में शामिल होते गए। आज का बजट आत्मनिर्भर भारत, रोजगार सृजन और समावेशी विकास पर केंद्रित नजर आता है। केंद्रीय बजट में हुए ये बदलाव दिखाते हैं कि भारत की आर्थिक नीति समय के साथ अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और आधुनिक होती गई है। तारीख से लेकर समय और प्रस्तुति के तरीके तक, हर बदलाव का उद्देश्य देश के विकास को गति देना और नीतियों को जमीन पर जल्दी उतारना रहा है।

राष्ट्रमंडल देशों की राष्ट्रीय संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन की मेज़बानी करेगा भारत

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

भारत बुधवार को राष्ट्रमंडल देशों की राष्ट्रीय संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन. सी.एस.पी.ओ.सी की मेज़बानी नई दिल्ली में करेगा। तीन दिन का यह सम्मेलन 16 जनवरी तक चलेगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य संसदीय लोकतंत्र की समझ को बढ़ावा देना, संसदों में निष्पक्षता बनाए रखना और संसदीय संस्थाओं का विकास करना है। इस सम्मेलन के अध्यक्ष लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला हैं।

नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए श्री ओम बिरला ने कहा कि पहले दिन स्थायी समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। 28वीं सी.एस.पी.ओ.सी के अध्यक्ष के रूप में, श्री बिरला सी.एस.पी.ओ.सी स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। श्री बिरला ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 15 जनवरी को संविधान सदन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल में सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। वह कॉमनवेल्थ और स्वायत्त संसदों के अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारियों के साथ अनौपचारिक रूप से बातचीत भी करेंगे। श्री बिरला ने कहा कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संसद में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, प्रतिभागियों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन विचारों को साझा करना, सांसदों पर सोशल मीडिया का प्रभाव, संसद के बारे में जनता की समझ बढ़ाना और सांसदों की सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

यह ऐतिहासिक आयोजन भारत की लोकतांत्रिक और संसदीय यात्रा में एक गौरवपूर्ण क्षण है। इसके समापन के बाद, लोकसभा अध्यक्ष सी.एस.पी.ओ.सी की अध्यक्षता यूके हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर लिंडसे होयल को सौंप देंगे।

भारत–श्रीलंका हिंदी सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली, 12 जनवरी। श्रीलंका के कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग की सांस्कृतिक शाखा स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र– एस.वी.सी.सी ने आज दूसरे भारत–श्रीलंका हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें दोनों देशों के चार सौ से अधिक हिंदी विशेषज्ञों, शिक्षकों और छात्रों ने हिस्सा लिया। भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका की शिक्षा और उच्च शिक्षा उपमंत्री, डॉ. मधुरा सेनेविरत्ने की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री झा ने श्रीलंका में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और शैक्षिक आदान–प्रदान सहित एस. वी.सी.सी की पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में श्रीलंका के वरिष्ठ हिंदी विद्वानों की उपस्थिति में शैक्षिक सत्र, कविता पाठ, और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत और श्रीलंका के बीच प्रगाढ़ भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है।

आईओए ने शुरू किया राष्ट्रीय ओलंपिक शिक्षा एवं विकास कार्यक्रम, अहमदाबाद में राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी पुनः सक्रिय

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भारत में ओलंपिक आंदोलन को नई दिशा देने की दिशा में एक बड़ा और अहम कदम उठाया है। आईओए ने राष्ट्रीय ओलंपिक शिक्षा एवं विकास कार्यक्रम (एनओईडीपी) की शुरुआत करने के साथ ही राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी (एनओए) को औपचारिक रूप से पुनः सक्रिय कर दिया है।

यह निर्णय 8 जनवरी 2026 को अहमदाबाद में आयोजित आईओए की कार्यकारी परिषद की बैठक में लिया गया था, जिसे 9 जनवरी 2026 को हुई आईओए की वार्षिक आम बैठक में सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। आईओए के अनुसार ये पहलें संगठन के उस नए .ष्टिकोण को दर्शाती हैं, जिसमें खिलाड़ी–केंद्रित विकास, ओलंपिक शिक्षा और संस्थागत क्षमता निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। यह पूरी योजना अंतरराष्ट्रीय मानकों और वैश्विक सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं के अनुरूप तैयार की गई है।

राष्ट्रीय ओलंपिक शिक्षा एवं विकास कार्यक्रम को एक व्यापक राष्ट्रीय ढांचे के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य ओलंपिक पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े सभी हितधारकों के लिए संरचित शिक्षा और विकास कार्यक्रम उपलब्ध कराना है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खेल महासंघों और राज्य ओलंपिक संघों के सहयोग से लागू किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक व्यापक प्रभाव सुनिश्चित हो सके।

राष्ट्रीय ओलंपिक शिक्षा एवं विकास कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य–

ओलंपिक मूल्यों, नैतिकता और खेल भावना की शिक्षा

खिलाड़ियों का समग्र विकास, कल्याण और खेल के बाद करियर में सहयोग

कोचों, अधिकारियों, प्रशासकों और सहयोगी स्टाफ की क्षमता वृद्धि

खेल संगठनों में सुशासन, नेतृत्व और पेशेवर कार्यशैली को मजबूत करना

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप दीर्घकालिक एथलीट विकास मॉडल को बढ़ावा देना

केंद्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने पीएम–कुसुम के दूसरे चरण के शुरुआत की घोषणा की

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

भारत ने ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को कृषि और खाद्य प्रणालियों से जोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता पर बल दिया है। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने अबू धाबी में आई.आर.ई.एन.ए असेंबली के दौरान अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी तथा खाद्य और .षि संगठन द्वारा आयोजित एक अंतर–मंत्रालयी संवाद को संबोधित किया। उन्होंने पीएम–कुसुम योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए बताया कि इसके तहत लगभग दस लाख सौर पंप स्थापित किए गए हैं और 11 लाख से अधिक ग्रिड–कनेक्टेड पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़ा गया है। इससे डीजल–आधारित सिंचाई पर निर्भरता कम हुई है।

श्री जोशी ने पीएम–कुसुम के दूसरे चरण के शुरुआत की भी घोषणा की। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा–सक्षम .षि–खाद्य प्रणालियों में साझेदारी और समाधानों को बढ़ाने के लिए भारत की तत्परता की पुष्टि की। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने आइसलैंड के अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग के महानिदेशक एलिन रोज़, यूरोपीय आयोग के ऊर्जा महानिदेशक डिड्रे जूल जोर्गेनसन और संयुक्त अरब अमीरात के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी के साथ ऊर्जा साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए बैठकें भी कीं।

भारत में पिछले साल नए वाहन पंजीकरणों में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार का हिस्सा 8 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

भारत में पिछले साल नए वाहन पंजीकरणों में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार का हिस्सा 8 प्रतिशत रहा। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 23 लाख यूनिट तक पहुंच गई। वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में 12 लाख 80 हजार यूनिट के साथ सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। यह कुल बिक्री का 57 प्रतिशत थी। वहीं, इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहनों की बिक्री 8 लाख यूनिट रही, जो कुल बिक्री का 35 प्रतिशत है।

इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहनों की बिक्री 1 लाख 75 हजार यूनिट रही, जिसमें छोटे और हल्के वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक मालवाहक वाहनों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। उत्तर प्रदेश 4 लाख से अधिक यूनिट के साथ सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन बाजार बनकर उभरा। इसके बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक का स्थान रहा।

घर के पीछे लगाना है बगीचा, इतना भी नहीं मुश्किल; जानिए आसान प्लान

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

शहरों में खुली जगह कम हो रही है, लेकिन जिन घरों के पीछे थोड़ी जमीन बची है, वह अब नई संभावनाओं का कोना बन रही है. लोग बैकयार्ड में छोटा लेकिन खूबसूरत बगीचा तैयार कर प्रकृति को घर से जोड़ रहे हैं.

बगीचा सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि ताज़ी हवा, सुकून और पक्षियों की चहचहाहट का नया ठिकाना है. सही तरीका अपनाया जाए तो यह जगह सालभर हरियाली से भरी रह सकती है.

बगीचा लगाने से पहले जमीन को साफ और समतल करना जरूरी है. सूखी पत्तियां, कंकड़ और खरपतवार हटा दें. इसके बाद मिट्टी को हल्का खोदकर भुरभुरा बनाएं ताकि जड़ें आसानी से फैल सकें. यदि मिट्टी कठोर हो तो उसमें रेत और कोकोपीट मिलाने से हवा का संचार बेहतर होता है. यही वह बेस है जो आगे पौधों की ग्रोथ तय करेगा.

पौधों को स्वस्थ रखने के लिए मिट्टी में पोषण जरूरी है. साधारण मिट्टी में वर्मी–कंपोस्ट या गोबर की जैविक खाद मिलाएं. रासायनिक खाद की जगह जैविक विकल्प मिट्टी को लंबे समय तक उपजाऊ रखते हैं. खाद मिलाने के बाद मिट्टी को हल्का पानी देकर सेट होने दें. इससे पोषण धीरे–धीरे पौधों को मिलता रहेगा और बगीचा जल्दी हरा–भरा बनेगा.

बैकयार्ड में कौन से पौधे लगेंगे यह धूप की दिशा पर निर्भर करता है. जहां 5–6 घंटे धूप आती हो वहां फूल और सब्जी दोनों उग सकते हैं. गुलाब, गेंदा, मनी प्लांट, तुलसी

और मौसमी सब्जियां बेहतरीन विकल्प हैं. पौधे खरीदते समय स्थानीय नर्सरी से सलाह लें. ताज़ी किस्में जल्दी सेट होती हैं और रख–रखाव भी आसान रहता है.

पानी की नियमित सप्लाई जरूरी है, लेकिन जलभराव से बचना भी उतना ही जरूरी है. क्यारियों में हल्का ढलान रखें ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए. गमले उपयोग कर रहे हों तो नीचे छेद जरूर रखें. सुबह या शाम पानी देना सबसे सही माना जाता है. ड्रिप सिस्टम भी अच्छा विकल्प है जिससे पानी बचता है और पौधों को जरूरत के हिसाब से नमी मिलती है.

बगीचा तैयार होने के बाद उसकी देखभाल जरूरी है. सूखे हिस्से हटाएं, हल्की गुड़ाई करें और कीटों से बचाव के लिए नीम–ऑयल का छिड़काव करें. हर 15–20 दिन में हल्की जैविक खाद दें. पक्षियों के लिए छोटा पानी–पॉट रखें. यही छोटे प्रयास बगीचे को जीवंत, ताज़ा और घर का सबसे खूबसूरत हिस्सा बना देते हैं.

आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया संरक्षित इमारतों के संरक्षण के लिए प्राइवेट सेक्टर को मिलेगा मौका, पीपीपी मॉडल के तहत होगा काम

नई दिल्ली, 12 जनवरी।

केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के स्मारकों के संरक्षण का काम जल्द ही प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला जाएगा। इसके तहत, नेशनल कल्चरल फंड में योगदान देने वाले कॉर्पोरट डोनर्स को अपनी पसंद का हेरिटेज कंजर्वेशन आर्किटेक्ट चुनने की अनुमति दी जाएगी।

इन आर्किटेक्ट्स का एक पैनल बनाया जाएगा, जिसे संस्कृति मंत्रालय द्वारा इस महीने के अंत तक नोटिफाई किया जाएगा। इसके बाद वे एएसआई की देखरेख में काम करने के लिए अपनी पसंद की एक एग्जीक्यूटिंग एजेंसी चुन सकेंगे। एनसीएफ, डोनर और एएसआई के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। अब तक, NCF के तहत डोनर्स द्वारा समर्थित प्रोजेक्ट्स में संरक्षण का काम पूरी तरह से ASI ही कर रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, हेरिटेज कंजर्वेशन आर्किटेक्ट्स को पैनल में शामिल करने का विचार पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप के एक और मॉडल के रूप में बताया जा रहा है। इसका मकसद क्षमता निर्माण करना, देरी को कम करना और ASI की संरक्षण क्षमता को बढ़ाना है, जिसके दायरे में देश भर में 3,685 स्मारक आते हैं।

NCF द्वारा हेरिटेज कंजर्वेशन आर्किटेक्ट्स को पैनल में शामिल करने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जमा करने की आखिरी तारीख सोमवार को खत्म हो गई। जानकारी के अनुसार, जरूरी विशेषज्ञता वाले लगभग 20 हेरिटेज कंजर्वेशन आर्किटेक्ट्स ने अपने प्रपोजल जमा किए हैं। जांच के बाद, चुने गए आर्किटेक्ट्स को इस महीने के अंत तक पैनल में शामिल किए जाने की उम्मीद है।

NCF साइट पर RFP दस्तावेज में बताया गया है कि हेरिटेज संरक्षण और बहाली में विशेषज्ञता वाले आर्किटेक्ट्स को पैनल में शामिल करने और ASI के केंद्र संरक्षित स्मारकों और हेरिटेज स्थलों पर आगंतुकों के लिए सुविधाओं का प्रावधान न केवल संरक्षण में ASI के प्रयासों को पूरा करेगा, बल्कि मानव संसाधन का एक राष्ट्रीय टैलेंट पूल बनाने में भी मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि काम डोनर द्वारा तय समय सीमा के भीतर पूरा हो।

NCF ने डोनर्स और स्पॉन्सर संस्थानों को सरकार के साथ सीधे भागीदार के रूप में भारत की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, बहाली, संरक्षण और विकास में सहायता करने के लिए एक फाइनेंसिंग मैकेनिज्म के रूप में काम किया है।

इस फंड के तहत, अब तक विभिन्न साइटों पर लगभग 150 करोड़ रुपये के 100 कामों को डोनर्स और स्पॉन्सर के माध्यम से समर्थन दिया गया है। इन सभी मामलों में काम ASI द्वारा किया गया था। NCF वेबसाइट पर विभिन्न राज्यों के लगभग 250 स्मारकों की सूची है जिन्हें CSR समर्थन की आवश्यकता है।

RFP दस्तावेज में बताया गया है कि डोनर संगठन या कॉर्पोरेट द्वारा पूल से चुने गए आर्किटेक्ट को एक 'विस्तृत परियोजना रिपोर्ट' तैयार करनी होगी, जिसे ASI द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। अप्रूव्ड DPR को लागू करने का काम डोनर द्वारा चुनी गई एग्जीक्यूटिंग एजेंसी करेगी, जो ASI की देखरेख में हेरिटेज कंजर्वेशन आर्किटेक्ट्स की गाइडेंस में काम करेगी ताकि यह पक्का हो सके कि कंजर्वेशन का काम अप्रूव्ड प्लान और कंजर्वेशन के नियमों के हिसाब से हो।